नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

# हिंदी विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न

वर्धा, 11 नवंबर 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सातवीं बैठक कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को

भाषा विद्यापीठ के सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, कादर नवाज़ ख़ान, डॉ. अशोक पावडे, प्रो. सूरज पालीवाल, प्रो. देवराज, प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, प्रो. एल. कारूण्यकरा, भरत महोदय, प्रो. अरविंद कुमार झा, प्रो. अनिल

कुमार राय, प्रो. सुरेश शर्मा, डॉ. अन्नपूर्णा सी., डॉ. मनोज राय, यशराज पाल, ब्रिजेश पाटिल, सुधीर जिंदे उपस्थित थे।

बैठक का संचालन करते हुए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में 2016-17 की कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में नवप्रवेशित छात्रों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम, राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम, ऑनलाईन फीडबैक सिस्टम प्रारंभ करना, विद्यार्थियों हेतु सात दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर, हिंदी भाषा शुद्धीकरण प्रशिक्षण

कार्यशाला, विद्यार्थियों के लिए युवा कौशल विकास कार्यक्रम, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता से संबंधित व्याख्यानों का आयोजन, अकादमिक ऑडिट करवाना आदि विषय शामिल थे।

बैठक में गैर-शैक्षणिक कर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के हिंदी भाषा प्रयोग में दक्षता लाने हेतु कार्यशालाओं के आयोजन, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम की प्रगति और उपयोगिता, परीक्षा पद्धति में प्रस्तावित सुधार, शोध हेतु संसाधनों का विस्तार, पुस्तकालय सेवा में सुधार, नियोजन प्रकोष्ठ को सुदृढ बनाना, पी-एच.डी. एवं एम.फिल. के प्रवेश, परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने हेतु सुझाव, सत्र 2017-18 से पंचवर्षीय बी.ए.एल..एल.बी. पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने आदि विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।